ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी

दिनांक—10/11/2020

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>दोहा एकादश</u>

_कबीरदास

<u>कवि परिचय</u>

कबीरदास जी भक्तिकालीन निर्गुण संत काव्य धारा के सर्वश्रेष्ठ कवि थे। वे एक महान कवि , भक्त तथा सच्चे समाज सुधारक थे। जन श्रुति के आधार पर इनका **जन्म सन 1398 ई.** में **'काशी'** नामक स्थान पर हुआ माना जाता है। किंवदंती है कि इनका जन्म एक विधवा ब्राह्मणी के गर्भ से हुआ था, जिसने लोक-लाज वश इनका परित्याग कर दिया और उन्हें काशी के लहरतारा नामक
~~~~~~~~~~

तालाब के किनारे छोड़ गई, जहां से नीरू एवं नीमा नामक जुलाहा दंपत्ति ने इनको प्राप्त किया तथा इनका पालन पोषण किया।

नीरू एवं नीमा ने इनका नामकरण 'कबीर' किया जिसका अर्थ होता है महान। वस्तुतः कबीर ने अपने कार्यों से अपने नाम को सार्थक किया। बड़े होने पर इनका विवाह **'लोई'** नामक युवती से हुआ, जिनसे इन्हें **कमाल** तथा **कमाली** नामक पुत्र पुत्री हुई। कबीरदास अनपढ़ होने के साथ-साथ मस्तमौला, अक्खड, निर्भीक, विद्रोही तथा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। इन्होंने अपना गुरु '**श्री रामानंद जी'** को बनाया। उन्होंने उन्हें राम नाम का मंत्र दिया। इनके स्वाभिमानी एवं अक्खड स्वभाव के कारण तत्कालीन लोधी शासक सिकंदर लोदी ने इनके ऊपर कई अत्याचार किए, लेकिन ये उनकी परवाह न करते हुए अपनी वाणी द्वारा हिंदू-मुस्लिम एकता पर बल देते रहे। **सन 1518 ई**॰ में इस महान संत कवि का बनारस के समीप **'मगहर'** नामक स्थान पर देहांत हो गया। 'कबीर चौरा' नामक स्थान पर इनकी समाधि बनी हुई है।

कबीरदास जी की रचनाएँ ;

कबीर दास की एकमात्र प्रामाणिक रचना है- '**बीजक'** इसके तीन भाग है - 'साखी', 'शबद' और 'रमैनी' इनके कुछ पद गुरु ग्रंथ साहिब में भी संकलित हैं।

छात्र कार्य-कवि परिचय लिखें एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी 'कुसुम'